

311 →
Nagarjuna-
pāṭha

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

2705 I

311 →
Nagarjuna-
pāla

विष्णुसिद्धमविधिः ॥

२७८

दिगयतायसह ॥

ॐ नमः श्री कृष्णाय ॥
निब्रह्ममविधिमाह ॥ ॥
वाकलन विजयकनन-
रुता महाका सगान-
गव वाग कृष्णं सिद्धम-
गील श्रीरुतवा नागय यक-
यकती महावलि वीरु-
वधवा सिद्धम माहती मक-
मकूत वकषु हा स्वसि-
सिमकसा वीहि जागम-
यकस सिद्धाय स्वायं कृष्ण-
का पियसुतयिधे मूव-
वलि धर्मिस्त्वाय नयाय ॥
सूर्योद्युतुपादाद्य युवम-
द्युत सिद्धयुजा नदस्य-
दयुक्तय कनन्याग ॥
रुग वातुगी मकूणी २ धूय ॥
ध्यान ॥ कलन से न विहाय ॥
नका वीका वत कलन आक-
थय युक्तुधमा दयै ॥ कृष्णः

यद्यसर्वकथा गकवा विविक्ता-
मकः सूर्य कलन विहाय ॥
मटि किर्वका वय विनर्त-
नाना वत मय कलन माका-
वडी युक्तुधमा दया न वरु-
विहाय ॥ कदनु स्वस्व विजय-
विहाय विविध मय स्वदवता-
विविध स्वद विजय मय स्वा-
कृष्ण सेत सल मातीय पूव-
नादृष्टा या या व मना दिक्-
कलादयाक ॥ कदनु समय सल-
यवध मला वाग न डवीरु-
यवा विविक्तु नूपा मनीरु-
विकथन ॥ विदुत समय-
दवता सेत दवता यकीरु-
वा विकथन ॥ ॐ आः ह्रीं ॥
नला अत ॥ ॐ कलन सेत द-
मधुल वके विहाय ॥ सख-
वज यव सुत सह ॥ म-
लमकनन जा विविधन ॥

उं वज्रमहादक ००० स्वाहा ॥
 उं नमः १ महादक स्वाहा ॥ श्री
 कः पूजा ॥ उं सर्वकथागत
 महायागीध्वज ॥ उं वज्र
 यरुह १ ॥ नमः वज्रसत्
 यः वज्रदायक नमः नमः
 रुद्रकर्मयः वज्रधर्मन
 मानमः ॥ ॥ धनलिः
 नायः महाकाः ग्यगः सग्यः
 मरुः पूजा ॥ नायः वलि ॥
 उं नमः समस्तकायवाक्त्रि
 धनमादेष्टै वज्रकाधायः
 महादशकटहलवायः न
 लिमूषवयवसूयावगटहीन
 हलायः ॥ उं नमः वज्रपुत्री
 रवः शवादिः शक्तिः शवः श
 ददः शयवः शगः शविः श
 यः शर्वविद्युतिनायकातां
 महागोपयकिपूजिकाय १

रुद्र १ स्वाहा ॥ नागध्वज ॥
 उं नमः वज्रनागाध्वजः
 नीक स्वाहा ॥ यक्षिणा ॥ उं
 वज्रध्वज ॥ उं नमः काय ॥
 उं नमः काय ॥ उं वासुकय
 ॥ महायमाय ॥ उं धर्मया
 लाय ॥ उं कक्रोटकाय ॥
 उं कवीकाय ॥ ॥ यः ॥ मुक्ति ॥
 जलाधिपतिनागवाकाध्व
 स्वस्वदिव्यविक्रिना ॥ स्वा
 धायसदानिधिः वज्रध्वज
 मस्तु ॥ ॥ श्रीलक्ष्मीपूजा ॥
 उं श्रीलक्ष्मीस्वामयिनीक स्वा
 हा ॥ उं श्रीः स्वाहा ॥ उं वसु
 लक्ष्मीय स्वाहा ॥ यः ॥ मुक्ति ॥
 नमः रुद्रमहादवीः सर्वस
 त्वाधेदायनी ॥ नमः मुनीय
 वृषीयः वसुलक्ष्मी नमः मुक्त
 ॥ ॥ नमः यक्षिणीय पूजा ॥

उं यरु यरु विद्यामर्चयमीक
 खाहा ॥ वीर्यनाम ॥ उं सर्व
 यरुदीक्षातमः ॥ ५ ॥ उं स
 र्वयरुक्षातमः ॥ ५ ॥ उं य
 रुरुदाय ॥ ५ ॥ उं मातिरुदाय
 ॥ ५ ॥ उं धनदाय ॥ ५ ॥ उं सुखदा
 य ॥ ५ ॥ उं वरदाय ॥ ५ ॥ ५ ॥
 मुक्ति ॥ यरुरुदा मातिरुद
 धनदेवगवतस्तथा ॥ विलि
 क्युलीकलिमात्री ॥ सुखद
 वरदायतममुक्त ॥ पूजा
 रुरुदा ॥ धनलियैवध
 नायुजा ॥ उं उं सर्वद्वज
 किनी ॥ ५ ॥ उं जाकीतिय ॥
 उं ला ॥ ५ ॥ उं ख ॥ ५ ॥ उं वू ॥
 ५ ॥ मुक्ति ॥ ठाकिनीयकथा
 गमाखयुवादावृणीति ॥
 न्यसत्पूवादिस्सुहार्त ॥ यि

दतीनममुक्त ॥ ॥ धर्मिषू
 नदाव ॥ यरुदीरु ॥ यथ
 माद्रुकि ॥ मधुलक्ष्मनाद्रुकि
 धर्मिषूनदाव ॥ दवयुजा
 धूप ॥ न ॥ म ॥ गा ॥ स ॥ जाय ॥
 आकर्षण ॥ स्वातवाय ॥ ॥
 कि ॥ अरुमाद्रुकायुजा ॥
 यरुमावतवलिविय ॥ सग्व
 तविय ॥ ॥ कि ॥ अरुकि
 वियदवयात ॥ वावसनी
 वृत्तिर्क ॥ धनिदिक्का ॥
 दयामूरदावक्त ॥ मूलागस
 तिवधन ॥ उला ॥ नूगवा
 सवा ॥ गववा ॥ दि ॥ ऊऊमा
 ननरुयर्क ॥ धनदवता
 रुकिविय ॥ दयवृणा ॥ यमा
 यकाय ॥ माधवय ॥ धन
 वावसनिव ॥ ऊऊमान

निल नल य लखि नथ सदा कि भवत दवउ सय ह म भु प ड भ
 वलिन पिमा व देका य ऊ ज मान द न की न य पू जो २

कन के नसा च के ह । न
 म ना स स रु ल स धा
 वा था का वि न कि नि स
 थ स ह ॥ स्व सि वा क न
 गु नू का य स्व सि क ग न
 इ पा पि पा का य ॥ दि ग व
 लि क नू क वा व लि महा
 व ती वि य ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॥
 ध नि गि ल सा ध न या य ॥
 ॐ आ ० ख धु यो ह ई रु र ॥
 स ख ल स न हा य ॥ ॐ स च
 पा पि वि षा ध न स्वा हा ॥ प
 व व ल इ थ न ॥ प स मा व
 न ग म थ क न थि य ॥ ॐ
 गु ल म व क ग ल स च ॥ ॐ न
 का क नू धा रु व । दि ला इ न
 कि रु ड न स र वा व नी म वा
 पू य य ॥ ॐ स र

निल नल

व लु छो स च ध मा स्व रु व गु
 छा ह । स च ने वा ला न ला व
 य न ॥ ग कि द न ॥ ॐ यी री
 ले री री जा न स फ धा गु स म
 ल्य ने गु छा ला न ला व य न
 ॥ ॐ आ ० ई ॥ अ धि क न ॥
 क द न न वा क न ॥ म मा स
 क ल ग ल स न हा य ॥ यी वा
 म न ॥ म न्ना हा न ॥ यी व व
 ल न य व ॥ यी ग म न न व
 ध न य ॥ अ प हा व यू जा या
 य ॥ व न सि न्ध व दि धि क ॥
 व क क य क न व स ॥ अ इ
 वा व न न स क ॥ क मा वि का
 न यि त ॥ ध न आ वा र य स न
 स्वा न वा य ॥ यी वा प हा व
 यू जा ॥ न यी व ॥ जा प स्वा
 न य ध मा य कि श ॥ ॥

व लु य ना य न का ह ५

सम्प ॥ (धनि युन ऊऊमा
न अविष्टान् ॥ ॐ आ ॥ ॐ ॥
धन लिखि ऊऊमान् यि वर
उकान् डायका व ऊऊमा
न यथा ऊलिनां नाम वि
दुर्नकाय ॥ य ऊऊमि ॥
कथन ॥ धन लिखि धि वर सप
य ऊऊमाय ॥ (धनि विवर्ग
सर्व धु दक्या कयक ॥ ऊ
ऊमान् विवर्ग स्वातननक ॥
॥ ॥ (धन विवर्ग स्वातननक
यति स्वस्ति कस्य स्वत यि वग
य विद्या ॥ धन ऊऊमा यि व
य हा वर ऊऊमि ॥ धन ऊ
ऊमान् न वा वर स विवर्ग
नक ॥ अथा दिवा कया
य ॥ अथ रुद्र कस्य सदाना
मला कया गो वर स्वमन्त्र
नर कनियू ग रुद्र थय

ॐ आर्या वरु य धरु मो
ऊऊमि य ऊऊमा यान् द
मवत्या (धन स्वयं कुव मरुता
न वा स ऊऊमा वाग्म यां दकि
य वरु ली ल लिख कनली
मानी ग वर धि मदा (धन ॐ ह व
स्वान् अथ ॥ ॥ धन य ऊऊमा
मानस्य आयु वा वाग्म साका
रुत सिया क कामनार्थ सर्व
विष्टाय सांन्यर्थ स्वाय द कामा
यनं गृह दा पाय मि किय
गानि क वरु म सदा ॥ ॐ नू ल
काय ॥ धन सिधका सीखतं
धन हा या व कय य का वर
नक ॥ अग्नि सहा वना ॥ ॥
ऊऊमि कलिना मि मक्षणी
व सुवी द यो य मया न वरु
रुऊम स्वसि स्वात यथा रु
धि क कथा विनय ॥ ॥

(धनिगुबूसन । दवगाहिम
 खन गुवायदमीरु रुयाक
 ॥ स्वकिवाकन चववबुध
 मी । दातयकऊऊमातस्य
 आयुवावाग्यकामार्थम्
 काकतिखिलसीयाक कामा
 र्थं पूर्वसंकल्पित निवारु
 कियरूपकानिमित्ताथेन
 वीमनश्च ~~विमनश्च~~ पश्चि
 माहिमुखनवदेग्नीवेशुः
 वीदवोरुद्वारकस्यपीलाक
 किंगृह २ हेरुद्वारा ॥
 निवलाहा ७दाय ॥ य ४
 पूजा ॥ कथेत ॥ धनमासा
 रुति ॥ वा यवाभननव
 सवय वा अभिषेकन ॥ ध
 वीयविधावाकाय ॥ पुनः
 अग्निहावना ॥ ककादवका
 यामुख दूकावधगुक्रव

ऊयवरुवयमानं विरुच्य ॥ ॥
 धमात्माद्रुक्रियाय गीत का
 वयि ॥ नूगववा सर्वाइय ॥
 दा चषूति स्वाकसाइय ॥
 सिक्साइय ॥ धनविधुना
 यउस पाऊ यवाकगनया
 व अरुपकमनघ मल्लभा
 वाघा अरुदायके आद्रुकि
 हायक ॥ य ४ ला ४ सुकि ॥
 कथेत ॥ ॥ (ध) गुबूमधुव
 सिषानवाऊन मनास
 सिषाद्रुकि ॥ (ध) पूर्वकाधि
 यके काययकेइय ॥ ॥
 धनवरुमहावाकायाकविय ॥
 दनद्रुकिविय ॥ पूर्वद्रुकिवि
 य ॥ मूववलिविय ॥ गुबूप
 जा । खानकनक ॥ डिबसा
 दगुविसमय । रुमायन ॥
 धनवरुवृ दा पूजायाय ॥

वासिधूलवर्णः कालास्या
 दक्षिणतः काष्मस्यावा
 नतश्चापि ४ वक्रद्वयस
 मवितः समुत्पन्नमाथ
 नमहासुखकलेममका
 ० तलोके मादनी ददीः
 ओत्मानं सवनोचलीञ्जा
 कवन ॥ श्रीम ० श्री श्री व
 र्जवागही लठाने कायवा
 प्राचमाद्यपती रु. स्याहा ॥
 ॐ ॐ ॐ सर्ववृद्धजकिमी
 यवजवल्नीयवजवेत्री
 चलियाहं रु. स्याहा ॥ म
 ध ॥ ॐ ववजवागहीर्य
 स्याहा ॥ हायायामनीय
 स्याहा ॥ डिमाभादनीय
 स्याहा ॥ हंही सवालनी
 यस्याहा ॥ हंसकालिनिय
 स्याहा ॥ रु. २ वलुकाय
 रु. रु. स्याहा ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

अंजसाहा ॥ ॐ कसवगद्यह
 चरुजह ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 दधनयववल्मयनल
 वसवगहकुस्याहा ॥ ॐ
 जनेन्द्रायवजवृषायति
 रु. स्याहा ॥ ॐ धर्मवकायस्या
 हा ॥ मंलगचकायस्याहा ॥
 निम्मानचकायस्याहा ॥
 महासुखचकायस्याहा ॥
 श्रीरुठवीथयस्याहा ॥ ॐ
 दियानविथयस्याहा ॥ पूरु
 जीलीयिथयस्याहा ॥ जानध
 लीयिथयस्याहा ॥ ॐ नम
 सर्वतथगतसूनललि
 तविलासिमितनमा
 मिष्टीवजवागहीलठान
 कायजहं वहायति रु. क
 शुभांजलिनाथहा ॥ पूजा
 मति ॥ ॐ नम ० श्री वजवा
 गही ॥ नकवध्वंसकासः
 नारिमधवावेकिता ॥

स्वप्ना गोपिता दवीः न
सामिहान नूयिनी ॥ ॥
क्षेत्रमलु लयि न ॥ यतु
सन नय क ॥ ह्या उज जका
स्मिन अयः य उम विरुय
वा अय ॥ ने व द अय ॥
कमु निधूयः क पून मता ॥
मन विरय ॥ गो प्रयाय ॥ मारा
यक ॥ उ नम ४ श्री वज्र जी
जी जी ३ ॥ न वं काल स
मा सिनः सह जान पुल
पिनीः पुष्टा स्मिन द हो ६
जमः नम स्त वज्र जी जी जी
॥ १ ॥ विरिग दिपु मा
द लः वरु ला न उ द
द दः ली ग पा ल मि ग
प्रा फ ॥ नम स्त वज्र जी
जी जी ॥ २ ॥ सल पुल्लु
सं का जंः ला व्या वज्र जी
ग जी ७ ॥ वल्लु व विज स
ते न ॥ नम स्त वज्र जी जी

नी ॥ ३ ॥ ल ग ला ग म या
म जंः स क न उ य व जी तः
मा हा उ र व उ र वा जी ली ॥
नम स्त वज्र जी जी जी ॥ ४
॥ ल वा ल न द य कि तः
अ द न म ल व जि तः स्व
रु ग रू वि नी मू क ॥ नम
स्त वज्र जी जी जी ॥ ५ ॥ मया
थ क ल सं र कं २ जा न म स्त
ज नू पि नीः क ल ना व कं
द ह स्त ॥ नम स्त वज्र जी जी
ली ॥ ६ ॥ ल व नि म्मा नम
ल वः ल व का ल वि ला
जि तः का य वा क सि क द
ह स्त ॥ नम स्त वज्र जी जी
ली ॥ ७ ॥ वा म्म क वा ल व
ली गः द क्षि ल क क्षि क
लि नीः स न्य ता क ल ना
वा कं ॥ नम स्त वज्र जी जी
ली ॥ ८ ॥ डि रु द द न वि
ल वः स व मो ली नि गु ड

नीः निष्ठिता हा स्व को ह्य
॥ नमस्तु वज्रया जिनी
॥ ९० ॥ केला के नाय हं इ
कोः सम अनासु व वा मि
नः वृद्ध नासु के ल ई मे
को ॥ नमस्तु वज्रया जिनी
॥ ९० ॥ स वा हं स पु व न
नः निमित्त न के नू पिनी
ः स्याम पि ता ल ना लो हा
॥ नमस्तु वज्रया जिनी ॥
११ ॥ य ए वृद्ध कु ला य वा
ः पु ए जा जी नी ना य नः
न था य ल मा नू सं का न ॥
नमस्तु वज्रया जिनी ॥ १२
शिव स कि ति ति थो गः
ति थ्य चं ति ति क ल्यि नः
य दा थ दं द न्त्रि थो कं
॥ नमस्तु ॥ १३ ॥ कु ला य
वृजि को का नः ओ मा मा
वृष्टी अ नः वि स ल
प क्रि या का ना नमस्तु

१५ ॥ स अ म वि ज यि
मा ता ला ज ल क्रि द द्वा ति
यः मा हा मा या ल ग य नि
॥ नमस्तु ॥ १७ ॥ स ए दि
वि स्थि य नः ग ना न
का वि ध र य नीः ग ग ले क
व लि य ता ॥ नमस्तु ॥ १८
स्याम पि ता दि नी मु काः
व न्म व न्म वि व र्ण न पु न्म
वा ल मि ता मा ता नमस्तु
॥ १९ ॥ नि ष वि क ल्प नि ला
ल यः नि ष य पु अ नि ता
न यः वि य वा पि नी न ला
मा ॥ नमस्तु ॥ १७ ॥ स ए
म य दि द्वा धा ता ज न नि
स व्दे जा जि नी नमस्तु
व ज वा ना दि ॥ नमस्तु ॥
१५ ॥ यी ग त ग नू मू र वा
हो यः नि ग ता ल न ल
पि नीः स मा ल न वि ना
सा य ॥ नमस्तु व ज या

जिन्नी॥ २०॥ ०० तिगु
 लशकामाता तुति विधा
 यकल्यः जदलुपा फना
 तुमुपु नः लुने सलवा
 फुते॥ २१॥ ०० तिनाग
 इनवा दविलोयि तुमल
 सावसमाक॥ ॥ सधति
 मूलत्यादि॥ दाना॥ ०॥

जव १ मुकलस
 जव २ शिवसगति
 जव १ नागावजवा
 जव २ भिषक्ली
 जव २ जजुज रुनि
 पा १२ निशत्रापा
 जव ४ कपहावा
 जव १ रुप
 जव १ जनावाक
 जव २२ जवप
 जव १ गारु
 जव १ तत्रिपनिरुहक

जव १ रागीन
 पा १ विदि सत्रा
 जव १ त्रिवाकिवाता
 जव १ साज
 जव ४ जवाया
 म १ दाहया
 पा १ कापत्रा
 पा २ एपेगुनिशत्रा
 जव २ दुदुषात्राकेश
 जव २ लुपल्लोअदपल
 जव २ पयल्लन
 पू १ त्रुषाया
 पू १ जहवाया
 रकि १ लुरकि
 कोपूतका
 कुशा
 पू २ कोषिप
 कोषवाभाका

भा १ विष्ठा
दुर्लभा का

ॐ १ मूकतश
ॐ २ सिद्धि सुगति
ॐ १ ला अगव प
ॐ २ सिद्धि सुगति
ॐ २ शिवलक्ष्मी
ॐ २ नक्षत्र क्षात्र
ॐ ४ कृप म च
पा १२ निसलापा
ॐ १ अप
ॐ १ जलनायक
ॐ ३२ उव प मा का
ॐ ६ ताहाफ च
ॐ १ तारिचाप नि सह क
ॐ १ जाग
पा १ विहि सला
ॐ १ रिचोकि वाता
ॐ १ सा १
ॐ ४ गदु वाचा
भा १ दूह च
पा १ का वर
ॐ २ बाधा कि धा
पा ४ रि वि च

शक्र २ पा ५

पा २ के त नि सला
ॐ २ दुर्लभा का सुय
ॐ ६ दुर्लभा का सुय
जा ६ प च तन
पू १ लुषा चा
पू १ ब्रह्म चा
पा २ लुभंगु
पा ४ ब्रह्मंगु
च १ लुच कि
को पूट का
क सा रि
पू २ के वि प
को वि य मा के
क सु
म प
पू ४ यो कि बा कि
पा ४ स क भा
कू १ भ ल
पू १ तु कि
पू २ द्ये ल
धा प कि प
भा स र वि का प
पा १ प सु

रगग।धगगविलाकिरुगडावाड
रसमाधिरुनमः स्वाहा॥मवीन॥
उंसपशसकनवतीययूसीरुनः
दाहो॥उधमधमेताड
निं कनूस्वाहा॥वदुगु
धूदो॥उमः वडा लोक
ः वड कंध मलाय॥स्व
गाम्प गायस्वाहा॥व
काय स्वाहा॥पुवपकपा
कसम॥उसवेनल।ल
उवड विरयस्वाहा॥

यमूमकस्यामनिरुनईx॥विद्या॥
उमः वडवासईस्वाहा॥वरु॥
x॥उहा॥उवड धीस्वाहा॥
दहः सव विद्यानुम
वि॥उवड धीस्वाहा॥
कीस्वाहा॥दीप॥उमः
हा॥उस ६॥उवड
गुमन॥उवड सुपृष्ठ
उवड सिकनारयस्वाहा॥
कायस्वाहा॥मनवीसा
समस्क॥

उम

उम

मम

मम

2705 I

POLYMER WOLF